जमायरा मोयणलुद्धा गेहेगंतुं न इच्छंति। पुराहिओ विआरेइ-सासुरअईव पिया जाययरा, तेज अहुणा पंच छ दिजाइं ए ए चिट्टतु पच्छागच्छेज्जा। ते जामयरा खज्जरस दुद्धा तओ गच्छिडं न इच्छेज्जा। परुप्परं ते चितेइरे-ससुर गिह निवासो सग्गतुल्लो नराणं किन एसा मुती सच्चा एवं चितिरुण एगाए मित्तिए एमा सुत्ती लिहाआ। एगया एयं सुत्ति ससुरेण वाइऊण खज्जरसलुद्धा कयावि न गच्छेज्जा तओ ए ए वाहियत्व॥

11. अवंत्तीए पुरीए इंददत्तो नाम सप्पिवटो अहेसि, सो सिप्पकलाहिं सव्वंमि जयंसिण सिद्ध। होत्था इमे सो सरिच्छो अन्नोको विनत्थि। एअस्स पुत्त सोमदत्ते नाम। सो पिउस्स सगासंगि सिप्पकलं सिक्खंतो कमेण पिअराओ वि अईव सिप्पकला कुसल। जाओ सोमदतो आसो जासो पड़िमाओ निमावेइ तासो नासो पिया कापि भुल्लं दसेइ, कया विसिलाहं न कुणेइ तओ सो सुहुम दिट्ठीए सुहुभं-सुहुभं सिप्पि किरिमं कुणेऊण पियरं दंसेइ, पिया वितत्थ वि कपिखलगं दरिसेइ, तुमए सोहणयरं सिप्पंकमं तिन कयाइतं पसंसेइ। अपसंसमाणे पिडम्भि सो चिंतेइ-मम पिआ मज्झ कहं कथं न पसंसेज्जा।

12. गउड़वहा महाकाव्य है। महाकाव्य की विशेषता बताते हुए सिद्ध कीजिए।

13. 'ससुरगेहवासीज चउजामारायराण कहा' का सार लिखिए।



**362**

# DPL–02

## June – Examination 2020

## Diploma in Prakrit Language Examination

### प्राकृत गद्य-पद्य

### Paper : DPL-02

*Time : **3** Hours* ] [ *Maximum Marks : **100***

**निर्देश :-** यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड—अ** **10×2=20**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) दशवैकालिक में कितने कषायों को अनिष्टकर बताया गया है ?

   (ii) भगवती आराधना के अनुसार कौनसे रत्नत्रय आराध्य हैं ?

   (iii) आगम साहित्य में कौनसे आगम का सर्वप्रथम स्थान माना गया है ?

(iv) विविध कवियों द्वारा विरचित श्रेष्ठ गाथाओं का संकलन किस काव्य ग्रन्थ में किया गया ?

(v) अष्टपाहुड़ के रचयिता कौन हैं ? प्राकृत की कौनसी काव्य परम्परा का काव्य है ?

(vi) गउडवहो काव्य का नायक कौन है ?

(vii) प्रथम दामाद मणिराम को घर से कैसे निकाला ?

(viii) महावीर की अन्तिम देराना के रूप में किस आगम को स्वीकार किया है ?

(ix) उत्तराध्ययन के अनुसार मनुष्य के लिए चार दुर्लभ अंग कौन-कौनसे हैं ?

(x) पुरोहित के कितने दामाद थे ? उनके नाम बताइये।

**खण्ड—ब** **4×10=40**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2. धम्मो मंगलमुक्किट्ठं, अहिंसा संजमो तवो।
   दो वि तं वमंसंति, जस्स धम्मे सयामणो॥

3. जे केइ सरीरे सत्ता वन्ने य सव्वसो।
   मणसा कायवक्केणं सव्वे ते दुखसंभवा॥



4. जयं चरे जयं चिट्ठे जयमासे जयं सए।
   जयं भुंजतो भासंतो पावं कम्म व बंचाई॥

5. जहा कुम्मे सअंगाई, सए देहे समाहरे।
   एवं पावाइं मेहावी, अज्झप्पेण समाहरे॥

6. जह पत्थरो ण मिज्जइ, परिट्ठिओ दीहकालमुदएण।
   तह साहू विणभिज्जई, उवसग्ग परीसहे हितो॥

7. अण थोवं वण थोवं अग्गीथोवं च।
   न हु मे वीसलियव्वं, मावं पिहु तं बहु होइ॥

8. अप्पा चेव दमेयव्वो, अप्पा हुखलु छुट्टदमो।
   अप्पा दंतो सुहा होइ अस्सि लोए परत्थस॥

9. भावं तिविहपयारं, सुहासुहं सुद्धमेव णायव्वं।
   असुहं च अट्टरुद्दं सुहधम्मं जिणवरिं देहिं॥

**खण्ड—स** **2×20=40**

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10. कत्थ वि गाम नरिंदस्य रज्जसनिकारगो पुराहिओ आसि। तस्य एगो पुत्तो पंचय कन्नगाओ संति। तेण चउसे कन्नगाओ। विउसमाहण-पुताण पारिणाविआओ। कयाई पंचमी फनगाए विवाह महुसवो परद्धो। विवाहे जापायरेहि विणासंबंधिणो नियधिधरेसु गयां